[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7410 **J**

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : SANSKRIT LITERATURE: KATHA-KAVYA, DSC

Name of the Course : **B.A. (P) WITH SANSKRIT, NEP UGCF 2022**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए: 3 x 6 = 18

Translate any three of the following paragraphs/stanzas:

जीर्यन्ते जीर्यतः केशादन्ता जीर्यन्ति जीर्यतः।
चक्षु श्रोते च जीर्यते एका तृष्णा तरुणायते॥

अथवा/or

न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति।
संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति।।

अथवा/or

अरक्षितं तिष्ठति देवरक्षितं सुरक्षितं दैवहतं विनश्यति।
जीवत्यनाथोऽपि वने विसर्जितः कृतप्रयत्नोऽपि गृहे न जीवति।

अथवा/or

अपरं त्वदीयं गीतं न मधुरस्वरम् शङ्खशब्दानुकारं दूरादपि श्रूयते। तदत्र क्षेत्रे रक्षापुरुषाः सुप्ताः सन्ति। ते उत्थाय वधं बन्धनं वा करिष्यन्ति। तद्भक्षय तावदमृतमयाशचिर्भटीः मा त्वमत्र गीतव्यापारपरो भव।

अथवा/or

अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम् [एको वृद्धव्याघ्रः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते 'भो भोपन्थाः। इदं सुवर्णकङ्कणं गृह्यताम्'। ततो लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेनालोचितम्- भाग्येनैतत्सम्भवति। किंत्वस्मिन्नात्म सन्देहे प्रवृत्तिर्न विधेया।

अथवा/or

कस्मिंश्चिज्जलाशये शतबुद्धि सहस्रबुद्धिश्च द्वौ मत्स्यौ निवसत: स्म। अथ तयोरेकबुद्धिर्नाम मण्डूको मित्रतां गत:। एवं ते त्रयोऽपि जलतीरे वेलायां कञ्चित्कालं सुभाषितगोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि सलिलं प्रविशन्ति।

2.निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18

Explain any two of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

लोभात्क्रोध: प्रभवतिलोभात्कामःप्रजायते।
लोमान्मोहश्चनाशश्चलोभःपापस्यकारणम्।

अथवा/or

कुदृष्टंकुपरिज्ञातं कुश्रुतं कुपरीक्षितम्
तन्नरेणनकर्तव्यं नापितेनाऽत्र यत्कृतम॥

अथवा/or

अथ तैश्च पश्चाद्गत्वा कश्चिद् ग्राम आसादितः तेऽपि ग्रामीणैर्निमन्त्रिता पृथग् ग्गृहेषुनीता:। ततः एकस्यसूत्रिका घृतखण्डसंयुक्ता भोजने दत्ता। ततो विचिन्त्य पण्डितेनोक्तं यद् दीर्घसूत्री विनश्यति। एवमुक्त्वा भोजनं परित्यज्य गतः।

अथवा/or

वरं बुद्धिर्न सा विद्या इति यद् भवतोक्तं तत्रेयं मे मतिर्यत् –'न एकान्तेन बुद्धिरपि प्रमाणम्।'

3. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9

Explain any one of the following Verses in Sanskrit:

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेंतसाम् ।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अथवा/or

सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।
अतीत्यहिगुणान्सर्वान्स्वभावोमूर्ध्निवर्तते।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 18 = 36

Answer any two of the following questions:

(i) कथा काव्य के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिये।
Explain the origin and development of katha - kavya.

(ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित लोक–कथा साहित्य पर लेख लिखें।
Write a note on Lok- katha (Fairy tales) in Sanskrit literature.

(iii) क्षपणक कथा का सार शिक्षासहित लिखिए।
Write the summary of KshapanakKatha with its Teaching.

(iv) मत्स्य–मण्डूक कथा को अपने शब्दों में लिखिए। कथा से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?
Write the summary of matsya–manduka–Katha in your own words. What do we learn from the story?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 x 4.5= 9

Write short notes on any two of the following:

शुकसप्तति, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, कथासरित्सागर, पुरुषपरीक्षा
Shukasaptati, panchtantra, Hitopadesh, Kathasaritsagar, Purushpariksha.